आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' | मूल्य » 5 | वर्ष » 13 | अंक » 154 | मुद्रण तारीख » 1 नवम्बर 2024 | कुल पृष्ठ » 24

संस्थान भरण-पोषण के लिए हर माह देगा आर्थिक सहायता

करंट ने छीने हाथ-पैर नारायण लिम्ब ने दी नई जिंदगी

NARAYAN LIMBS & CALIPERS

जो चल न पायें–उनको चलाएं
सेवा का एक पौधा आप ऊगाएं

₹5000

सहयोग करें

ज्योति पर्व दीपावली एवं नारायण सेवा संस्थान के
40वें वर्ष प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं

Donate via UPI

narayanseva@sbi

Bank Name	:	State Bank of India
Account Name	:	Narayan Seva Sansthan
Account Number	:	31505501196
IFSC Code	:	SBIN0011406
Branch	:	Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 154 मुद्रण तारीख » 1 नवम्बर 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

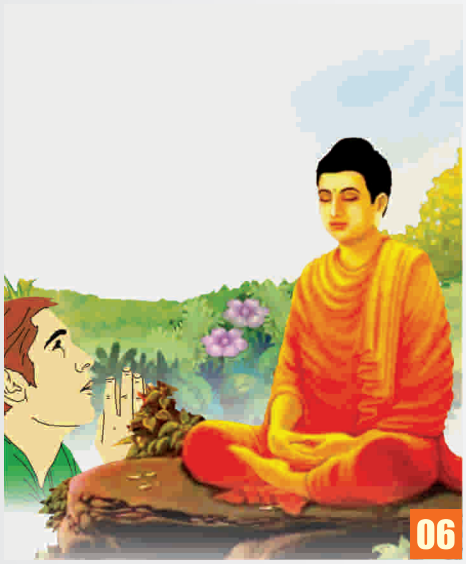
06

08

09

12

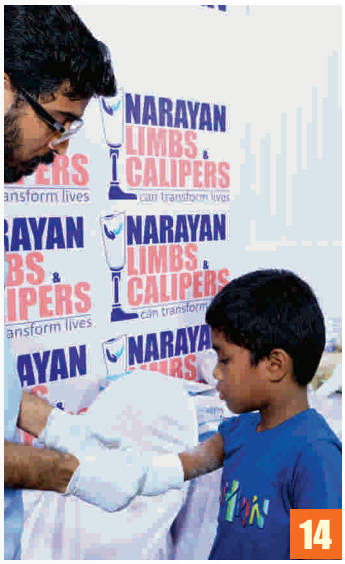

14

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 November, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

'सेवक' प्रशांत भैया
अध्यक्ष

सेवा ही सौभाग्य

संस्थान में चिकित्सा, शिक्षा, स्वरोजगारोमुखी प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए आने वाला हर दिव्यांग और जरूरतमंद दानदाताओं और उनके परिवार की कुशलता की कामना किए बिना नहीं रहता।

सेवा का धर्म, सेवा का स्वभाव और सेवा की प्रेरणा साध्य भी है और साधना भी। पुण्य-परमार्थ, जन कल्याण और समाज हित में ही मनुष्य के जीवन की सार्थकता है। जिसने भी सेवा को साधना बना लिया, पीड़ित की पीड़ा को दूर करने में योगदान किया, अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में अपनी कमाई का एक छोटा सा भी हिस्सा लगाया अथवा समयदान किया, सामाजिक सुख-शांति के लिए प्रयत्न किया, समाज ने उन्हें सिर-आंखों पर उठा लिया। आपके अपने इस संस्थान में चिकित्सा, शिक्षा, स्वरोजगारोंमुखी प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए आने वाला हर दिव्यांग और जरूरतमंद दानदाताओं और उनके परिवार की कुशलता की कामना किए बिना नहीं रहता। मनुष्य के सर्वांगीण विकास में समाज का भी बहुत बड़ा योगदान है। अतः हम सबका भी कर्तव्य बनता है कि अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज के पीड़ित और वंचित वर्ग की सेवा में अपना योगदान करें।

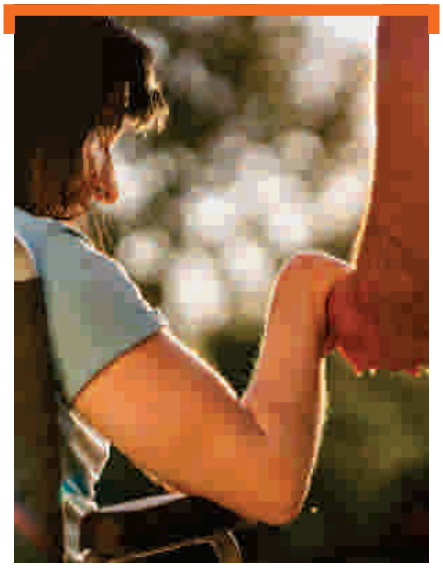

'सेवा' भारत की संकल्पना और संस्कृति है। यहां सेवा को धर्म कहा गया है। 'सेवा धर्मः परमोधर्म'। सेवा का भाव तो किसी दुःखी को देखते ही स्वतः हिलोर लेने लगता है। व्यक्ति के लिए दूसरे कामों से भी वह प्राथमिक बन जाता है। इस संबंध में एक प्रसंग स्मरण में आ रहा है। श्री ईश्वरचंद्र विद्यासागर अपने मित्र श्री गिरीशचंद्र विद्यारत्न के साथ बंगाल के कालना नामक गांव जा रहे थे। उनकी दृष्टि सड़क पर लेटे-कराहते श्रमिक पर पड़ी। वह हैजा रोग से ग्रस्त था। उसकी गठरी एक ओर लुढ़की पड़ी थी। उसके मैले कपड़ों से दुर्गंध आ रही थी। राहगीर मुख फेरे जल्दी से कदम बढ़ाते हुए चले जा रहे थे। उसे पर दृष्टि पड़ते ही विद्यासागर बोले-'आज हमारा सौभाग्य है। मित्र ने पूछा 'कैसा सौभाग्य?' विद्यासागर जी ने कहा - 'मित्र गिरीश! किसी दीन दुःखी की सेवा का अवसर प्राप्त हो इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा। यह बेचारा यहां मार्ग में पड़ा है। इसका अपना कोई होता तो क्या इस हालत में पड़े रहने देता हम दोनों इस समय इसके स्वजन बन सकते हैं।'

बंधुओं! एक दरिद्र, मैले-कुचौले दीन मजदूर का उस समय स्वजन बनना, जबकि हैजे जैसे रोग में तो स्वजन भी दूर भागते हैं परंतु उनका उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ाना बताता है कि वे विद्यासागर तो थे ही दया के भी सागर थे। जब मित्र ने इसे सौभाग्य मान लिया तो गिरीश जी कैसे पीछे रहते। विद्यासागर जी ने मजदूर को पीठ पर लिया और गिरीश जी ने गठरी को सिर पर उठा लिया। दोनों उसे लेकर कालना पहुंचे। मजदूर के रहने-खाने की व्यवस्था की, वैद्य जी को चिकित्सा के लिए बुलाया और स्वयं भी उसकी देखरेख में जुट गए। मजदूर जब एक-दो दिन बाद उठने-बैठने योग्य हुआ तो उसे कुछ वस्त्र, भोजन व पैसे देकर गंतव्य के लिए विदा किया।

पूज्य
श्री कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

परोपकार में बीते प्रत्येक पल

> पारिवारिक जीवन के प्रति आजकल अरूचि दिखाई दे रही है, माता-पिता, गुरू, रिश्तेदारों से व्यक्ति अलग ही अपने सीमित परिवार में ही बंधकर रह जाना चाहता है। यह ठीक नहीं है, परिवार जितना विशाल होगा उतना ही जीवन आनंदमय होगा।

हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति में परस्पर सहयोग, सद्भाव अर्थात आत्मीयता के प्रसार-विस्तार को अत्यंत महत्व दिया गया है। ज्यों-ज्यों हम परिवार की संकुचित परिभाषा से बाहर निकलेंगे हमारा ध्यान एक विशाल परिवार पर केन्द्रित होने लगेगा। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना ज्यों-ज्यों हमारे मन में गहरी होती जाएगी त्यों-त्यों परिवार का संकुचित दायरा विशाल होता जाएगा। हमारे ऋषि-मुनि यही तो करते आए हैं, दिखता यह है कि पहले उन्होंने परिवार को छोड़ा, स्नेह- बंधन तोड़े, लेकिन ऐसा नहीं है, उनके ऐसा करने के पीछे एक विशाल परिवार को अपनाने की भावना थी। उन्होंने संकुचित परिवार के दायरे से बाहर होकर एक विशाल परिवार में प्रवेश किया। पारिवारिक जीवन के प्रति आजकल अरूचि दिखाई दे रही है, माता-पिता, गुरू, रिश्तेदारों से व्यक्ति अलग ही अपने सीमित परिवार में ही बंधकर रह जाना चाहता है। यह ठीक नहीं है, परिवार जितना विशाल होगा उतना ही जीवन आनंदमय होगा, क्योंकि सहयोग, सद्भाव और सेवा का विस्तार होगा, जो जीवन को सार्थक करेगा। जिसमें विश्व-बंधुत्व का भाव है वही मनुष्य है। यही विश्व प्रेम है और आत्मीयता का विस्तार भी।

हमारे द्वारा यदि एक पीड़ित, दुखी, जरूरतमंद की भी सेवा हो गई तो मानों भविष्य सुधर गया। भगवान से यही प्रार्थना करें कि यदि किसी प्राणी के दुःख को दूर करने में हमें कष्ट भी उठाना पड़े तो स्वीकार्य है।

एक भक्त यमलोक के समीप से गुजरा। उसने श्रीहरि के पार्षदों से पूछा कि यह चीख-पुकार कैसी? पार्षद बोले-महाराज यह यमलोक हैं, जहां जीव यम-यातना भोग रहे हैं। 'भक्त ने पार्षदों से विमान रोकने को कहा और वे उन लोगों के बीच पहुंचे जो यम-यातना भोग रहे थे। उन लोगों ने कहां महाशय! आपके दर्शन और आपके स्पर्श से हम तक पहुंची पवन से हमें असीम शांति का अनुभव हो रहा है। यम-यातना का कोई प्रभाव अब हम पर नहीं हो रहा है। कृपा कर आप जितनी देर यहां ठहर सकें, हमारे लिए राहत का कारण बनेगा। भक्त ने बैकुंठ चलने से पार्षदों को इनकार कर दिया और कहा कि इन लोगों की मुक्ति की हमारी प्रार्थना भी प्रभु तक पहुंचाएं, अन्यथा हम यहीं इनके बीच ही रहना चाहेंगे।' इसी क्षण श्री नारायण प्रकट हुए और उन्होंने भक्त के इस सेवा-भाव से प्रसन्न होकर यम-यातना भोगने वालों का भी उद्धार कर दिया। कहने का अभिप्राय है कि चाहे कोई हो यदि सेवा का मौका मिले तो उसे परम सौभाग्य मानना चाहिए। कोशिश यही करें कि प्रत्येक पल परोपकार में व्यतीत हो, क्योंकि यही हमारे कल्याण का मार्ग है।

शांत मन से ही निकलते हैं सारे हल

अंशात मन की वजह से हम प्रश्नों के उत्तर तक पहुंच ही नहीं पाते, कुछ समय मौन धारण करने से हमारे भ्रम दूर होने लगते हैं और हमें सारे प्रश्नों के उत्तर स्वतः ही मिलने लगते हैं।

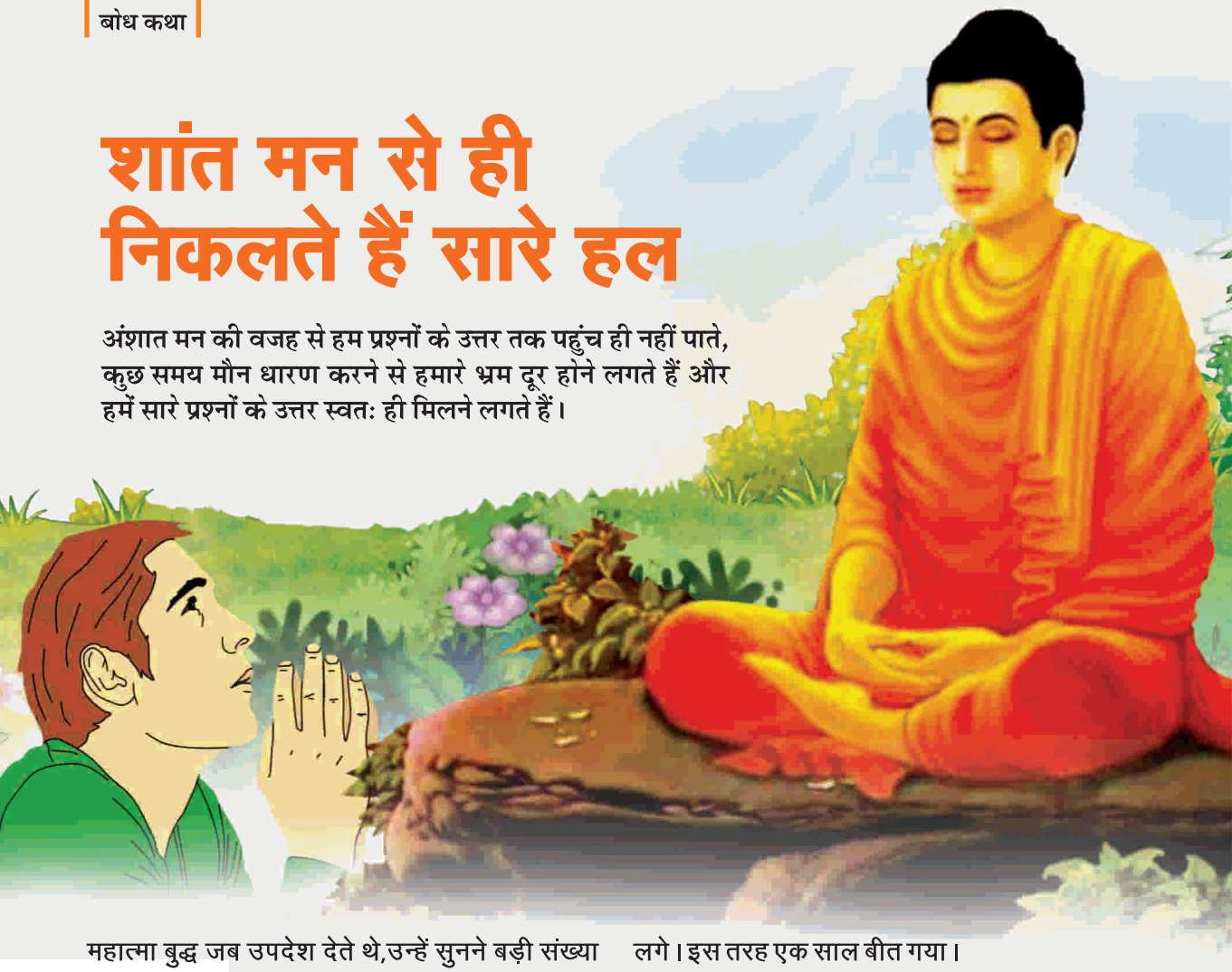

महात्मा बुद्ध जब उपदेश देते थे,उन्हें सुनने बड़ी संख्या मे शिष्यों के साथ अन्य लोग भी पहुंचते थे। एक दिन की बात है महात्मा बुद्ध प्रवचन दे रहे थे। तभी उनके पास एक व्यक्ति पहुंचा और उनसे बोला कि तथागत मेरे मन में कुछ प्रश्न हैं। कृपया मेरे प्रश्नों के उत्तर दें, ताकि मेरा मन शांत हो सके। बुद्ध ने उनसे कहा कि तुम्हारे प्रश्नों के उत्तर अवश्य दूंगा। लेकिन तुम्हें एक साल तक मौन धारण करना होगा। उस व्यक्ति ने संशय से पूछा एक साल बाद आप मेरे प्रश्नों के उत्तर अवश्य देंगे न ? बुद्ध ने कहा, 'एक साल पश्चात तुम्हें अपने सारे प्रश्नों के जवाब मिलेंगे।

बुद्ध की बात सुनकर उस व्यक्ति ने मौन व्रत धारण करने का निश्चय किया। मौन की वजह से उसका मन एकाग्र होने लगा। वह ध्यान करने लगा। इससे मन भी शांत होने लगा। धीरे-धीरे उसके सभी प्रश्न समाप्त होने लगे। इस तरह एक साल बीत गया।

समय की अवधि समाप्त होने के पश्चात बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा, 'अब तुम अपने सभी प्रश्न मुझसे पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत कर सकते हो।' उसने बुद्ध से कहा कि एक वर्ष पहले उसके मन में कई प्रश्न थे, लेकिन अब सारे प्रश्न शांत हो गए हैं। अब उसके मन में कोई प्रश्न नहीं है।

बुद्ध मुस्कुराए और उस व्यक्ति से कहा कि जब तक हमारा मन शांत नहीं है, मन में अनेक प्रश्न उठते रहते हैं। अशांत मन मन की वजह से हम प्रश्नों के उत्तर तक पहुंच ही नहीं पाते हैं। कुछ समय मौन धारण करने से हमारे भ्रम दूर होने लगते हैं और हमें सारे प्रश्नों के उत्तर स्वतः ही मिलने लगते हैं। मन शांत हो जाता है, तो सभी प्रश्न भी स्वतः खत्म हो जाते हैं।

सुकून भरी सर्दी

1 लाख स्वेटर, कम्बल वितरण का लक्ष्य

हर वर्ष की भाँति संस्थान
गरीब-अनाथ-बेघर-बेसहारा जनों को
बांट रहा है स्वेटर, कम्बल और ऊनी कपड़े।
कृपया मुहिम में सहयोगी बनें

करंट ने छीने हाथ–पैर नारायण लिम्ब ने दी नई जिंदगी

एक वर्ष पूर्व सामाजिक कार्यक्रम में ध्वज लगा रहे थे तभी करंट ने उनके चारों हाथ-पैर छीन लिए।

नारायण लिंब से जिंदगी में आया नया सवेरा

इंदौर मध्यप्रदेश निवासी जगदीश बागड़ी (47) पेशे से मजदूर हैं। वे परिवार सहित खुशहाल जीवन यापन कर रहे थे, लेकिन नियति को कुछ ओर ही मंजूर था। एक दिन मोहल्ले के किसी सार्वजनिक आयोजन में ध्वजा लगा रहे थे कि उसमें लगा लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली लाइन से छू गया। जिसके कारण हाथ-पैर बुरी तरह से झुलस गए। उपचार के दौरान दोनों हाथ व पांव कटवाने पड़े। तकरीबन एक साल ये डिप्रेशन में रहे। जगदीश दिव्यांगता के साथ जीने को लाचार थे। जीवन यापन के लिए कोई भी काम नहीं कर सकते थे। छोटा बेटा मजदूरी कर घर-गुजरा चलाने के लिए विवश था। इसी बीच इन्हे संस्थान की जानकारी मिली। 2 जून को निःशुल्क नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर में इनका माप लिया गया। तीन माह बाद 15 सितम्बर को नारायण लिंब लगने से इन्हें नई जिंदगी मिली। संस्थान परिवार को भरण-पोषण के लिए हर माह आर्थिक सम्बल दिया। अब ये पारिवारिक कार्यक्रम में कृत्रिम अंग पहिन कर जाते हैं। इनका कहना है कि अब वे हीन भावना से ऊपर उठ चुके हैं।

दुःखों से नहीं नारायण सेवा से नाता

यह आपबीती है 17 साल की उस बेटी की जो पुणे (महाराष्ट्र) से 55 किलोमीटर दूर उरोइकंचन गाँव में रहती है। रोज नए सपने देखती और फिर अपने कटे पांव को देखकर रोने लगती। गरीब माँ भी पग-पग पर सहारा देकर टूट चुकी थी, हर दिन पहाड़ सा था। संस्थान द्वारा 9 जून को पुणे में नारायण कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) माप शिविर लगा। जिसमें यह किशोरी भी मां के साथ आई और कृत्रिम पांव का माप दिया। करीब साढ़े तीन माह बाद पुनः 29 सितम्बर को पुणे में फिटमेंट शिविर लगा। जिसमें धनश्री चौवनकर नामक इस किशोरी के उसके कटे पांव के माप अनुसार तैयार कृत्रिम अंग लगाया गया। जब वह उसे लगाकर बिना किसी सहारे खड़ी होकर चलने लगी तो दोनो माँ-बेटी का दिल भर आया। शिविर में मौजूद संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल से लिपट कर रोते हुए बोली... दीदी जन्मी तो कुछ वर्षों बाद पिता ने मेरी माँ और हमसे रिश्ता तोड़ नया घर बसा लिया। माँ भी ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं थी, माँ ने जैसे तैसे मजदूरी करके हमें संभाला, पढ़ाने लगी। सोचती थी कि सब कुछ अच्छा होगा पर हमारी नियती ही दुःखों से जुड़ी थी। बीते वर्ष सितम्बर 2023 में शाम को मजदूरी से लौटी माँ को बस स्टैंड से लाने के लिए स्कूटी से जाते हुए एक ट्रक ने मुझे टक्कर मार दी। मै बेसुध हो गई। अनजान लोगों ने हॉस्पिटल पहुंचाया, माँ भी खबर लगते ही आ गई। नाम धनश्री था लेकिन धन के अभाव में उपचार भी ठीक से न हो सका। करीब एक माह बाद डॉक्टरों ने एक पैर काट दिया। बिन पाँव और हादसे को याद करके मैं कई बार सहम जाती। तब केवल माँ ने ही हिम्मत दी, 11वीं के बाद स्कूल जाना भी छूट गया।

आज मैं नारायण सेवा की वजह से करीब एक साल बाद अपने पैरों पर चलने लगी हूँ। इस खुशी को बयां नहीं कर पा रही। अब मैं माँ के साथ कहीं भी आ-जा सकूंगी, अब स्कूल जाऊंगी, दोस्तों के साथ खेलूंगी। सीए बनने का मेरा सपना है, मैं जींस भी पहनना चाहती हूँ..तभी वंदना जी ने नया जींस मंगवा कर इसे भेंट किया। साथ ही पढाई में भी हर तरह की मदद का भरोसा दिया। इस पर धनश्री ने कहा अब दुखों से नहीं, नारायण सेवा से मेरा नाता है..नई जिंदगी देने के लिए संस्थान का आभार....

पोलियो को मात, बने आत्मनिर्भर

रूप शंकर कुमार (24) बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं। ये जन्म से पोलियो ग्रस्त होने से दिव्यांग हैं, जिसके कारण इन्हें चलने-फिरने में बहुत परेशानी होती थी। कुछ दिन पहले इन्हे जानकारी मिली कि उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क पोलियो सुधारात्मक ऑपरेशन होते हैं तो ये परिजन के साथ उदयपुर आए।

जहां जाँच के बाद इनके पांव का सफल ऑपरेशन किया गया। अब रूप शंकर पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं और आसानी से चल-फिर लेते हैं। ऑपरेशन के बाद इन्होंने संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र में प्रवेश लिया जहां उन्होंने मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अब वो अपने गृह नगर में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोलकर आत्मनिर्भरता के साथ परिवार के पोषण में भी सहायक बनेंगे।

1

2

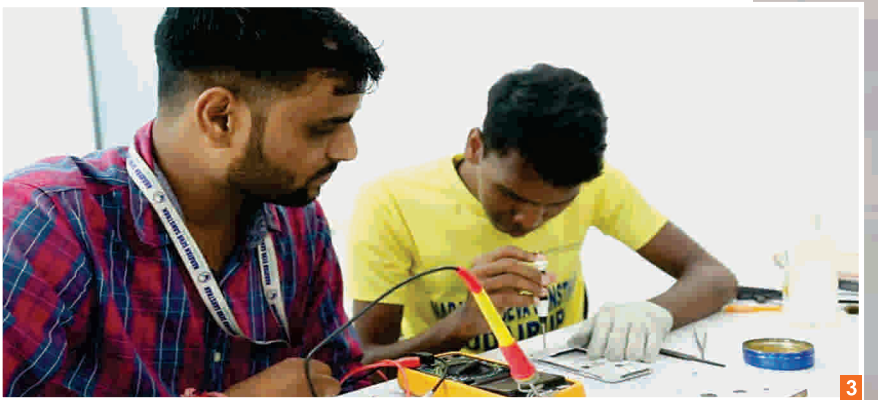
3

चौथी राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप

सांसद रावत व पैरा ओलंपियन मोना ने किया उद्घाटन

'हमने अपना कोई अंग हादसे में खोया है लेकिन जिंदगी से लड़ने का जोश और जुनून कायम है।' इस जज्बे के साथ 15 अक्टूबर को उदयपुर के फील्ड क्लब मैदान पर चौथी नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी T-20 क्रिकेट चौंपियनशिप का आगाज हुआ। ग्यारह दिवसीय इस चौंपियनशिप का आयोजन नारायण सेवा संस्थान ने डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के सहयोग से किया। मुख्य अतिथि उदयपुर के सांसद डॉ. मन्नालाल रावत व पेरिस पैरालंपिक-2024 निशानेबाजी में कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल जयपुर को देश के विभिन्न राज्यों की 24 टीमों के 400 से अधिक खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों ने ध्वजा-रोहण के दौरान मार्च पास्ट कर सलामी दी। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' के पावन सानिध्य में आयोजित उद्घाटन मैच के विशिष्ट अतिथि पीसीसीआई के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र लोहिया, डीसीसीआई की प्रदेश अध्यक्ष ज्योत्सना चौधरी, ऑफिसर कॉर्पोरेट चेयरमैन डीसीसीआई राजेश भारद्वाज, बीसीसीआई मैनेजर एल्विन गायकवाड़, डीसीसीआई हैदराबाद अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल एवं नारायण सेवा संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल थे। अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने की। सेवक प्रशांत भैया ने स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान वर्ष 2017 से ही राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांग खिलाड़ियों के खेल महाकुंभ आयोजित कर उनके सशक्तीकरण की दिशा में योगदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि उदयपुर शहर के 5 ग्राउंड्स पर कुल 67 मैच होंगे।

डीसीसीआई की ओर से स्वागत करते हुए सचिव रविकांत चौहान ने बताया कि चौंपियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन पिछले एक वर्ष में हुए विभिन्न टूर्नामेंट में प्रदर्शन को आधार मानकर किया गया है। ये सभी खिलाड़ी 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैं। इस चौंपियनशिप में ज्यादातर खिलाड़ी एक हाथ या एक पैर से अथवा जन्मजात शारीरिक दिव्यांगता से ग्रस्त हैं। कुछ खिलाड़ियों के शरीर अर्द्धविकसित भी हैं।

सेवामहातीर्थ में भव्य कन्या पूजन

नारायण सेवा संस्थान में 11 अक्टूबर शारदीया नवरात्रि की दुर्गाष्टमी पर अनुष्ठान पूर्वक भव्य कन्या पूजन सम्पन्न हुआ। संस्थापन संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव' व सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी अग्रवाल के सानिध्य में आयोजित अनुष्ठान के मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री भरत भाई व श्रीमती शारदा बेन सोलंकी अमेरिका तथा मॉरिशस से पधारे श्री रामरूचा जी व श्री रणदीप रामपाल जी ने 501 दीपकों से माता स्वरूपा कन्याओं की महाआरती की। इस दौरान नारायण चिल्ड्रन एकेडमी की बालिकाओं ने गरबा रास किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में

श्रीमती मीना जी सांखला जोधपुर, श्री अशोक जी वर्मा, श्रीमती इन्द्रा जी, श्री विरेन्द्र जी, श्रीमती रक्षा गुप्ता दिल्ली तथा श्री संजीव जी व श्रीमती सरस्वती देवी जी बोकारो उपस्थित थे। आरम्भ में अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने कहा कि पूजित कन्याओं की नवरात्रि के दौरान दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। सड़क हादसों अथवा अन्य दुर्घटनाओं में अपने हाथ-पांव खोने वाली बालिकाओं के कृत्रिम अंग लगाए गए। उन्होंने कहा कि माँ के बिना सृष्टि की कल्पना भी सम्भव नहीं है। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने कन्याओं को लाल चुनरी ओढाकर हलवा, पूरी व काले चने सहित 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। देश के विभिन्न राज्यों से निःशुल्क ऑपरेशन के लिए आई इन पूजित कन्याओं को उपहार भी भेंट किये गये। आयोजन में माता का वह स्वरूप विशेष आकर्षण का केन्द्र था, जिसमें माता के हाथ में शस्त्रादि के साथ ही 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश देने की दृष्टि से उनके हाथ में कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, पेन, राष्ट्रीय ध्वज स्टेथस्कोप, रॉकेट आदि थे।

पांच से ग्यारह वर्ष की इन कन्याओं में कलकत्ता की जोया चक्रवर्ती, नई दिल्ली की राधिका, झारखण्ड की रूचि, डूंगरपुर की जाह्नवी और नागौर की भावना ने अपने अंग खोने की जब आप बीती सुनाई तब आयोजन में मौजूद लोगों की आंखे नम हो गई। संचालन महिम जैन ने किया।

व्हीलचेयर–बैशाखी छोड़ी, चलकर लौटे घर

संस्थान के तत्वावधान में सितम्बर माह में इंदौर, सिलीगुड़ी व पुणे में निःशुल्क कृत्रिम अंग माप एवं फिटमेंट शिविर सम्पन्न हुए। जिनमे करीब 1300 दिव्यांग भाई–बहिन लाभान्वित हुए। जो लोग व्हीलचेयर, बैशाखी अथवा ट्राइसाइकिल से आए वे कृत्रिम अंग पहिन कर जब घर लौट रहे थे, चेहरे पर अमिट मुस्कान थी।

सिलीगुड़ी - सिलीगुड़ी के उत्तरबंग मारवाड़ी भवन में 22 सितम्बर को निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप केम्प आयोजित हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि सिलीगुड़ी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर श्रीमती शेरिंग वाय भूटिया एवं सब डिवीजन ऑफिसर श्री अवध सिंघल जी ने किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रमेश कुमार जी अग्रवाल, पृथ्वीराज जी अग्रवाल, गंगाधर जी नकीपुरिया, मुकेश जी सिंघल, प्रकाश जी पेड़ीवाल, जगमोहन सिंह जी, मीना जी अग्रवाल, रामअवतार जी बरेलिया व दिलीप जी गुप्ता थे।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर श्रीमती भूटीया ने कहा कि संस्थान की सेवाओं से अभिभूत हूँ। दिव्यांगों की मदद के लिए यहां आने वाली पूरी टीम अभिनंदनीय है। नारायण सेवा संस्थान के दिव्यांग एवं नारी सशक्तिकरण के कार्य सरकार के विकसित भारत और स्वस्थ समाज का संकल्प पूरा करने में सहायक होंगे। उन्होंने सिलीगुड़ी में दिव्यांगों के हितार्थ संस्थान को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। श्री अवध जी सिंघल ने कहा कि प्रशासन दिव्यांगों के सशक्तिकरण में नारायण सेवा संस्थान के लिए सेतु की भूमिका निभायेगा। प्रारम्भ में संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना जी अग्रवाल ने मुख्य अतिथियों और मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ की परंपरा अनुसार अभिनंदन किया।

उन्होंने संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। शिविर में बिहार, नेपाल, गुवाहाटी, सिक्किम, कोलकाता, वीरभूमि और बांकुरा सहित दार्जलिंग जिले से दिव्यांग आये। शिविर में स्थानीय संघ उत्तरबंग मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट, श्रीराम सेवा परिवार, अग्रवाल मंडल, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, उत्तर बंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, अखिल भारतीय ट्रांस्पोर्ट एसोसिएशन- सिलीगुड़ी शाखा सहित 15 से अधिक संघठनों ने सेवाएं दी।

शिविर प्रभारी श्री अचल सिंह भाटी ने केम्प प्रतिवेदन में बताया कि शिविर में 300 से अधिक दिव्यांग आए जिनकी जाँच संस्थान डॉक्टर व पीएंडओ टीम ने की, और 110 दिव्यांगों का नारायण लिंब (हाथ -पैर) और 74 का केलिपर्स के लिए मेजरमेंट लिया। करीब तीस दिव्यांगों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु किया गया। कास्टिंग और मेजरमेंट लिए दिव्यांगों को 2 से 3 माह बाद सिलीगुड़ी में ही शिविर लगा कर लिम्ब पहनाए जाएंगे। संस्थान के जनसंपर्क प्रमुख श्री भगवान प्रसाद गौड़ ने आभार ज्ञापन व संचालन महिम जैन ने किया।

इंदौर – संस्थान की ओर से 15 सितंबर को इंदौर की फूटी-कोठी स्थित दस्तूर गार्डन में दिव्यांगजन के लिए नारायण लिंब कैलीपर फिटमेंट शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 642 से अधिक दिव्यांगों को अपर-लोअर कृत्रिम अंग और कैलिपर्स लगाए गए। इनमें 30 प्रतिशत लाभार्थी 18 साल से कम आयु वर्ग के थे और 45 वयस्कों में 25 प्रतिशत महिलाएं थी। शिविर का उद्घाटन सांसद श्री शंकर जी लालवानी ने किया। उन्होंने कहा कि संस्थान की इस प्रकार की सेवाओं ने दिव्यांगों के जीवन को सुगम बनाने में बड़ा योगदान किया है। इसके लिए उन्होंने संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी के प्रयासों की सराहना की। अध्यक्षता समाजसेवी श्री पारस जी कटारिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री डॉ. रामचंद्र जी माहेश्वरी, डॉ. मनोरमा जी, अनिल जी भंडारी, किशोर

जी कस्तूरी, दीपक जी कोठारी, रमेश जी श्रीवास्तव, अमित जी जोशी, अनिल जी रांका, कैलाश जी गामा भी मंचासीन थे। अतिथियों ने जरूरतमंद 20 दिव्यांगों को व्हीलचेयर, 50 को वॉकर, 32 को बैशाखी भी संस्थान की ओर से प्रदान की। आरंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक श्री प्रशांत भैया जी ने अतिथियों व शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए संस्थान की अब तक सेवाओं से अवगत कराया एवं आगामी पांच साल का विजन प्रस्तुत किया। शिविर में कृत्रिम अंग पहनने के बाद दिव्यांगों ने फुटबॉल व बैडमिंटन खेल का प्रदर्शन किया। शिविर में जो दिव्यांग बैशाखी, व्हीलचेयर, ट्राईसाइकिल अथवा घिसटते आए थे वे कृत्रिम अंग अथवा कैलिपर्स पहिनने के बाद अपने पैरों पर चलकर गए।

पूणे – पूणे (महाराष्ट्र) स्थित तिरूपति मंगल गार्डन में 29 सितम्बर को आयोजित नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर में 257 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) व 88 के कैलिपर्स लगाए गए। इनमें से अधिकतर ने दुर्घटनाओं में अपने ये अंग खो दिए थे। इन दिव्यांगों के लिए पुणे में ही 9 जून को शिविर लगाकर अंगों के मापन का कार्य सम्पन्न किया गया था। शिविर का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य डॉ. मेघा कुलकर्णी ने किया। अध्यक्षता विधायक सुनील टिंगरे ने की। इन्होंने संस्थान के सेवा प्रकल्पों को पीड़ित मानवता के लिए बड़ी राहत बताया। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र में संस्थान के माध्यम से इस प्रकार के शिविर आयोजित कर दिव्यांगजन की सेवा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री श्री रघुनाथ कुचिक, कॉर्पोरेटर श्री हुलगेश चलवाड़ी, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री मूलकिशन गुप्ता, श्री राजवीर अग्रवाल, श्री राहुल बोहरा, सीए मोहित अग्रवाल, श्रीमती रितु तायल, श्री सुहास टिंगरे, श्री एचएस पोर्तिनिस एवं वरिष्ठ भाजपा नेता निनाद पतवारधन मंचासीन थे। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान करते हुए दिव्यांग एवं निराश्रितों के लिए संस्थान के निःशुल्क बहुआयामी सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। संचालन भगवान प्रसाद गौड़ व महिम जैन ने किया। आश्रम प्रभारी सुरेंद्र सिंह झाला ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा हरिप्रसाद लड्ढा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

झीनी-झीनी रोशनी 65

उपभोक्ता की शिकायत हर दृष्टि से उचित थी, कैलाश जी को अपने कार्यालय की सीमाओं का भान था मगर वह भी प्रणाली के समक्ष बेबस थे। उन्होंने उसे किसी तरह समझा-बुझा कर शांत करके भेजा।

घर से कार्यालय के बीच दूरी के कारण आने-जाने में समय तो नष्ट होता ही था, थकान भी चढ़ जाती थी इसलिये कैलाश जी सोच रहे थे कि कार्यालय के समीप ही अगर कोई मकान मिल जाये तो काफी आराम हो जाये। जगदीश चौक के क्षेत्र में मेहतों के टिम्बों पर एक मकान कैलाश जी को पसन्द आया मगर कमला जी को बिल्कुल नहीं जंचा। यहां गन्दगी बहुत थी तथा हर समय बदबू आती थी, शौचालय भी छिटकमा था इसलिए थोड़े दिन रह कर ये वापस हिरण मगरी आ गये।

एक दिन वह सेन्ट्रल जेल के बाहर से गुजरते हुए टेकरी होकर घर लौट रहे थे। जेल के अन्दर से रामचरित मानस की चौपाईयों की गूंज सुनाई दी तो वह ठिठक कर खड़े हो गए। रामचरित मानस बचपन से ही उनके आकर्षण का केन्द्र रही है, थोड़ी देर वह साईकिल रोक कर सुनते रहे, सोच रहे थे कि जेल में कैदियों के लिये पाठ चल रहा दिखता है। उनकी भी अन्दर जाने की इच्छा हुई मगर दरवाजे पर दो बन्दूकधारी सिपाही खड़े थे, ये उन्हें अन्दर नहीं जाने देंगे फिर भी उन्होंने सोचा कि पूछने में तो कोई हानि है नहीं। उन्होंने डरते-डरते एक सिपाही से पूछ लिया कि क्या वो भी अन्दर जा सकते है।

सिपाही ने हंसते हुए कहा कि हां-हां जरूर जा सकते हो। पाठ चल रहा है, उसमें कोई भी जा सकता है। कैलाश जी यह सुन प्रसन्न हो गए। वह साईकिल हाथ में लिये पैदल-पैदल ही अन्दर बढ़ गए। थोड़ी दूर चलने के बाद सामने ही सीढ़ियां नजर आ गई जो उपर बने एक चबूतरे पर जाती थीं। पाठ इसी चबूतरे पर हो रहा था। उन्होंने साईकिल एक तरफ खड़ी की और सीढ़ियां चढ़ उपर पहुँच गए। यहां उन्हें कैलाश जी बुला नजर आ गये जिन्हें वे जानते थे। उन्हीं की नाम राशि के कैलाश बुला उदयपुर के प्रसिद्ध सिलाई प्रतिष्ठान के. एण्ड आर के मालिक हैं व अत्यन्त धर्मप्रेमी समाजसेवी हैं। बुलाने कैलाश जी का स्वागत किया और उन्हें भी पाठ में बिठा दिया।

पाठ रामायण मण्डल की तरफ से आयोजित था जिसके 10-15 लोग वहां बैठे थे। मण्डली आये दिन कहीं न कहीं इसी तरह के अखण्ड पाठ करती ही रहती थी। कैलाश जी इस मण्डली से भी जुड़ गए और समय-समय पर इनके द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित पाठ के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़,
बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर
भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं
पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6,
ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा,
जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता
मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बावन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग
बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया,
जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल
ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई
कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी,
टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी
कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज,
प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
फ्लेट नम्बर 202,गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम
बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास,
बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड,
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोडिया रोड,
वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी
08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुवन भयं पथ,
सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख
सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान,
कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान न. 8/153, ई-3,
न्यू लॉयर कॉलोनी,
पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक
सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला
मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI

Google Pay PhonePe Paytm

narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

@narayanseva
नारायण
महावीर प्राकृतिक
चिकित्सालय
भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है। रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।
सम्पर्क करें:- 0294 6622222, 09649499999

आइये
इस बार मनाएं
गरीब के घर खुशियों की दीवाली

Donate via UPI

narayanseva@sbi

बॉक्स सहयोग

₹1100

गरीबों को उपहार

Seva Soubhagya Print Date 1 November, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-